उपसर्ग व प्रत्यय

उपसर्गों का प्रयोग नए शब्दों की रचना के लिए किया जाता है। नए शब्द बनाने के लिए मूल शब्दों के आरंभ में या उनके आगे कुछ शब्दांशों को जोड़ दिया जाता है। इससे मूल शब्द के अर्थ में बदलाव आ जाता है। ऐसे ही शब्दांशों को उपसर्ग कहते हैं।

परिभाषा :भाषा के वे अर्थवान छोटे-छोटे खंड जो शब्दों में आगे जुड़कर नए शब्द बनाते हैं और उनके अर्थ में बदलाव लाते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

उदाहरण -

मूल शब्द	नए शब्द	शब्द-रचना
योग	प्रयोग	(प्र + योग)
हार	आहार	(आ + हार)
कार	अधिकार	(अधि + कार)
कूल	अनुकूल	(अनु + कूल)

यहाँ 'प्र', 'आ', 'अधि', 'अनु' उपसर्ग हैं।

मूल शब्दों के साथ उपसर्ग का प्रयोग करने से -

(क) नया शब्द बनता है।
(ख) मूल शब्द के अर्थ में बदलाव आ जाता है। कभी-कभी अर्थ में बदलाव न आकर विशेषता आ जाती है।
(ग) उपसर्गों का प्रयोग स्वतंत्र अर्थ में नहीं किया जाता है।

उपसर्गों के प्रकार-हिंदी में चार प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग किया जाता है –

(क) संस्कृत के उपसर्ग

(ख) हिंदी के उपसर्ग

(ग) आगत या विदेशी उपसर्ग

(घ) उपसर्ग के समान प्रयोग होने वाले संस्कृत के अव्यय

(क) संस्कृत के उपसर्ग-इन उपसर्गों को तत्सम उपसर्ग भी कहा जाता है। ये प्रायः तत्सम शब्दों के साथ प्रयुक्त होते हैं।

संस्कृत के उपसर्ग और उनसे बने शब्द नीचे दिए जा रहे हैं –

उपसर्ग	**अर्थ**	**उपसर्गयुक्त शब्द**
अति	बहुत अधिक, परे, अधिक	अतिवृष्टि, अतिशय, अतिक्रमण, अत्याचार, अतिरिक्त, अत्यंत
अधि	ऊँचा श्रेष्ठ	अधिवक्ता, अधिनायक, अधिगम, अधिकार, अधिकृत, अधिपति
अनु	पीछे, बाद में, गौण	अनुगमन, अनुसार, अनुशासन, अनुरोध, अनुभव, अनुकूल
अप	अनुचित, बुरा, दूर	अपमान, अपयश, अपशब्द, अपहरण, अपकीर्ति, अपव्यय
अभि	सामने, पास, चारों ओर	अभिमान, अभिशाप, अभिनय, अभिनव, अभिप्राय, अभियोग
		विशेषता बताने के लिए
अव	बुरा, हीन, उप	अवगुण, अवनति, अवसान, अवमूल्यन, अवशेष, अवरोध
आ	तक, समेत, पर्यंत	आजन्म, आजीवन, आमरण, आगमन, आवास, आरक्षण
उत्	श्रेष्ठ, ऊपर	उन्नति, उन्नयन, उत्थान, उद्घाटन, उन्नायक, उच्छवास
उप	निकट, समान, गौण	उपवन, उपसर्ग, उपवास, उपहास, उपग्रह, उपयोग
दुस्	कठिन, बुरा	दुस्साहस दुष्कर्म, दुष्कर, दुस्साध्य
दुर्	कठिन, बुरा	दुर्बल, दुर्दिन, दुर्जन, दुर्योग, दुर्विजय, दुर्भाग्य दुर्लभ
निस्	निर्, रहित, नहीं	निष्काम, निश्चल, निष्पाप, निर्मम, निरपराध, निराहार
नि	समूह, आदेश, समीपता	नियम, निबंध, निकेतन, निषेध
परा	उलटे, पीछे, विपरीत	पराजय, पराधीन, पराश्रयी, पराक्रम, पराकाष्ठा, पराभव
परि	चारों ओर, पूर्णतः, क्रम	परिधि, परिक्रम, पर्यावरण, परिवार, परिश्रम, परित्याग
प्र	आगे, सामने, उत्तम, सम्मान	प्रमाण, प्रचार, प्रहार, प्रहर, प्रसाद, प्रकांड, प्रवेश
प्रति	हर एक, विरुद्ध	प्रतिशत, प्रत्येक, प्रतिकूल, प्रतिध्वनि, प्रत्याशा
वि	विशेष, विभिन्नता, अभाव	वियोग, विराम, विमल, विकार, विहार, विज्ञान, विशिष्ट, विशुद्ध
सम्	संयोग, अच्छा, सहित	संन्यास, संपर्क, संबंध, संचय, संयोग संचार, संग्राम सम्मुख
सु	अच्छी तरह, सुंदर	सुफल, सुकर्म, सुदिन, सुपुत्र, स्वागत, सुपात्र, सुशिक्षित, सुलभ

(ख) हिंदी के उपसर्ग-इन उपसर्गों का दूसरा नाम तद्भव उपसर्ग भी है। इनका प्रयोग हिंदी के शब्दों के साथ किया जाता है।

उपसर्ग	अर्थ	उपसर्गयुक्त शब्द
अ	अभाव, रहित, हीन	अथाह, अछूत, अजान, असार, अनाथ
अन	निषेध, अभाव	अनजान, अनपढ़, अनभल, अनचाहा, अनमना, अनहोनी, अनगढ़
अध	आधा	अधपका, अधजला, अधमरा, अधखिला, अधकपारी, अधकचरा
औ	हीन, बुरा	औघट, औजार, औगुन
उन	एक कम	उनतीस, उनचास, उनसठ, उनहत्तर
क/कु	बुरा	कपूत, कुलटा, कुकर्म, कुफल
चौ	चार	चौराहा, चौमासा, चौपाटी, चौतरफा, चौमुखी
दु	रहित, दो	दुबला, दुगुना, दुविधा, दुकूल
नि	रहित	निकम्मा, निडर, निहत्था, निदान
बिन	बिना	बिनबात, बिनखाए, बिनव्याहा, बिनकहे, बिनचाहे, बिन बुलाए

(ग) आगत या विदेशी उपसर्ग-इन उपसर्गों का प्रयोग विदेशी भाषा के शब्दों में होता है। उर्दू, अरबी, फारसी और अंग्रेज़ी भाषा के उपसर्ग इसी कोटि में आते है।

उपसर्ग	अर्थ	उपसर्गयुक्त शब्द
अल	निश्चित, इसलिए	अलगस्त, अलगरज, अलस्सुबह, अलगस्त
ऐन	ठीक	ऐनवक्त, ऐनमौके
कम	थोड़ा	कमतर, कमउम्र, क़मअक्ल, कमज़ोर कमसिन
खुश	प्रसन्न, अच्छा	खुशमिज़ाज़, खुशकिस्मत, खुशबू, खुशदिल, खुशखबरी
गैर	पराया, नहीं	गैरहाज़िर, गैरज़रूरी, गैरवाजिब, गैरकानूनी, गैरमतलब
दर	में	दरअसल, दरमियान, दरहकीकत
ना	बिना नहीं	नादान, नासमझ, नालायक, नाकारा, नासमझ
नीम	आधा	नीमहकीम, नीमहोश, नीमपावाल
ब	साथ, सहित	बखूबी, बदौलत, बदस्तूर, बनाम

बा	सहित	बाइज़्ज़त, बाकायदा, बाअदब, बाअसर
बद	बुरा, खराब	बदकिस्मत, बदहवास, बदसूरत, बदचलन, बदनाम, बदनीयत
बर	ऊपर, बाहर	बरखास्त, बरदाश्त
बे	बिना	बेईमान, बेरहम, बेशरम बेवफा, बेराह, बेकायदा।
बिला	बिना	बिलावजह, बिलाशर्त।
ला	बिना, रहित	लावारिस, लाइलाज लापरवाह, लापता, लाजवाब
सर	श्रेष्ठ, मुख्य	सरकार, सरपंच, सरताज़, सरहद
हम	साथ	हमराज, हमराह, हमदम, हमदर्द
हर	प्रत्येक	हरदिन, हररोज़, हरवक्त, हरहाल

अंग्रेज़ी के उपसर्ग –

चीफ	मुख्य	चीफ़ मिनिस्टर, चीफ़ इंचार्ज, चीफ़ जस्टिस
जनरल	—	जनरल मैनेजर, जनरल मर्चेंट, जनरल कमांडर
डिप्टी	डप	डिप्टी कलेक्टर, डिप्टी चेयरमैन
हॉफ	आधा	हॉफ पैंट, हॉफडे, हॉफ शर्ट
वाइस	उप	वाइस प्रिंसिपल, वाइस चेयरमैन, वाइस चांसलर

(घ) उपसर्ग के समान प्रयोग होने वाले संस्कृत के अव्यय –

अ	अभाव	अज्ञान, अधर्म, अन्याय, अशिक्षित, अस्वस्थ
अध:	नीचे	अधोमुखी, अधोगति, अध:पतन
स	सहित	सजीव, सहर्ष, सनाथ, सपरिवार, सजल
चिर	बहुत देर	चिरकाल, चिरंजीवी, चिरस्थायी, चिरायु
पुरा	पहले, पुराना	पुरातत्व, पुराकाल, पुरातन
सह	साथ	सहयोग, सहपाठी, सहधर्मिणी, सहभागी
बहि:	बाहर	बहिर्मुखी, बहिर्गमन, बहिष्कार
पुन:	फिर	पुनर्मिलन, पुनर्जन्म, पुनरागमन, पुनर्निमाण, पुनर्जीवन
अतर	भीतर	अंतरात्मा, अंतर्यामी, अंतर्प्रांतीय, अंतर्राष्ट्रीय
सत्	श्रेष्ठ अच्छा	सत्यार्थी, सत्कर्म, सत्संग, सज्जन
तिरस्	बुराहीन	तिरस्कार, तिरस्कृत
पुरस्	आगे	पुरस्कृत, पुरस्कार, पुरश्चरण
प्रादुर	प्रकट	प्रादुर्भाव

एक से अधिक उपसर्गों से बने शब्द :

कुछ शब्दों की रचना एक से अधिक उपसर्गों के मेल से होती है; जैसे –

शब्द		उपसर्ग					मूलशब्द
प्रत्युपकार	=	प्रति	+ उप	+ कार			
परोपकार	=	पर	+ उप	+ कार			
स्वावलंबन	=	स्व	+ अव	+ लंबन			
अव्यवस्था	=	अ	+ वि	+ अव	+ स्था		
समाचार	=	सम	+ आ	+ चार			
दुर्व्यवहार	=	दुर्	+ वि	+ आ	+ हार		
पर्यावरण	=	परि	+ आ	+ वरण			

अभ्यास–प्रश्न

1. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें प्रयुक्त उपसर्ग और मूलशब्द पृथक करके लिखिए –

(*i*) दुर्भाग्य ....

(*ii*) प्रचार ....

(*iii*) प्रतिदिन ....

(*iv*) प्रत्याशा ....

(*v*) पुनरागमन ....

(*vi*) अनुपस्थित ....

(*vii*) स्वाधीन ....

(*viii*) संयोग ....

(*ix*) अनहोनी ....

(*x*) पुनरुक्ति ....

(*xi*)	अज्ञान	....	....
(*xii*)	प्रत्युत्तर	....	....
(*xiii*)	दुष्कर्म	....	....
(*xiv*)	दुर्बल	....	....
(*xv*)	प्रतिकूल	....	....
(*xvi*)	लाजवाब	....	....
(*xvii*)	भरपाई	....	....
(*xviii*)	अधपका	....	....
(*xix*)	बदसूरत	....	....
(*xx*)	गैर हाज़िर	....	....

उत्तरः

	उपसर्ग	**मूलशब्द**
(*i*)	दुर्	भाग्य
(*ii*)	प्र	चार
(*iii*)	प्रति	दिन
(*iv*)	प्रति	आशा
(*v*)	पुनर्	आगमन
(*vi*)	अन	उपस्थित
(*vii*)	स्व	अधीन
(*viii*)	सम्	योग
(*ix*)	अन	होनी
(*x*)	पुनर्	उक्ति

(*xi*) अ ज्ञान
(*x*) प्रति उत्तर
(*xi*) दुस् कर्म
(*xii*) दुर् बल
(*xiii*) प्रति कूल
(*xiv*) ला जवाब
(*xv*) भर पाई
(*xvi*) अध पका
(*xvii*) बद सूरत
(*xviii*) गैर हाज़िर

2. नीचे दिए गए शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग उनके सामने लिखिए –
(i) अधिवक्ता ....
(ii) उपाध्यक्ष ....
(iii) हमराही ....
(iv) दुस्साहस ....
(v) संशोधन ....
(vi) अध्यादेश ....
(vii) बदमिज़ाज़ ....
(viii) कमसिन ....
(ix) सरपंच ....
(x) अलविदा ....
(xi) उनतालीस ....
(xii) बदौलत ....
(xiii) प्रसिद्ध ....
(xiv) प्रत्येक ....
(xv) निर्गम ....
(xvi) औज़ार ....
(xvii) अभिनंदन ....
(xviii) अत्याचार ....
(xix) अध्यक्ष ....
(xx) सुविख्यात ....
उत्तरः
(i) अधि
(ii) उप

(iii) हम
(iv) दुस्
(v) सम्
(vi) अधि
(vii) बद
(viii) कम
(ix) सर
(x) अल
(xi) उन
(xii) ब
(xiii) प्र
(xiv) प्रति
(xv) निर् उपसर्ग
(xvi) औ
(xvii) अभि
(xviii) आति
(xix) आधि
(xx) सु

3. नीचे कुछ उपसर्ग दिए गए हैं। आप इनसे दो–दो शब्द बनाइए –

(*i*) **आ** ....
(*ii*) **परि** ....
(*iii*) **परा** ....
(*iv*) **सम्** ....
(*v*) **अध** ....
(*vi*) **सु** ....
(*vii*) **वि** ....
(*viii*) **ला** ....

(*ix*) हम	....	....
(*x*) हर	....	....
(*xi*) ना	....	....
(*xii*) बे	....	....
(*xiii*) बा	....	....
(*xiv*) सब	....	....
(*xv*) वाइस	....	....

उत्तरः

(*i*)	आजीवन	आमरण
(*ii*)	परिहास	परिवर्तन
(*iii*)	पराजय	पराक्रम
(*iv*)	संगम	संचार
(*v*)	अधखिला	अधकचरा
(*vi*)	सुलभ	स्वागत
(*vii*)	विकार	विग्रह
(*viii*)	लाचार	लावारिस
(*ix*)	हमराज़	हमदर्द
(*x*)	हरसंभव	हरदिन
(*xi*)	नापाक	नासमझ
(*xii*)	बेदर्द	बेपरदा
(*xiii*)	बाकायदा	बाइज़्ज़त
(*xiv*)	सब इंस्पेक्टर	सब मजिस्ट्रेट
(*xv*)	वाइस प्रिंसिपल	वाइस कैप्टन

4. नीचे कुछ शब्द दिए जा रहे हैं। आप इनमें उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए –

(i) जान ....

(ii) मुख ....

(iii) कपट ....

(iv) योग ....
(v) धार ....
(vi) पति ....
(vii) चर ....
(viii) हरण ....
(ix) काश ....
(x) चरण ....
(xi) नाथ ....
(xii) पढ़ ....
(xiii) खिला ....
(xiv) पेट ....
(xv) पात्र ....
(xvi) तत्व ....
(xvii) पता ....
(xviii) हाल ....
(xix) सफ़र ....
(xx) किस्मत ....

उत्तरः

	उपसर्ग	शब्द
(i)	सु	सुजान
(ii)	उत्	उन्मुख
(iii)	निस्	निष्कपट
(iv)	उत्	उद्योग
(v)	उत्	उद्धार
(vi)	अधि	पति
(vii)	अ	अचर
(viii)	अप	अपहरण
(ix)	अव	अवकाश
(x)	आ	आचरण

(*xi*) अ अनाथ
(*xii*) अन अनपढ़
(*xiii*) अध अधखिला
(*xiv*) भर भरपेट
(*xv*) सु सुपात्र
(*xvi*) पुरा पुरातत्व
(*xvii*) ला लापता
(*xviii*) हर हरहाल
(*xix*) हम हमसफ़र
(*xx*) बद बदकिस्मत

5. नीचे दिए गए शब्दों में दो–दो उपसर्ग लगे हैं। आप इन उपसर्गों को पृथक करते हुए मूलशब्द भी लिखिए –
शब्द उपसर्ग उपसर्ग
मूलशब्द

शब्द	उपसर्ग	उपसर्ग	मूलशब्द
(*i*) निराकरण	....	....	....
(*ii*) प्रत्युपकार	....	....	....
(*iii*) सदाचार	....	....	....
(*iv*) सुसंगठित	....	....	....
(*v*) निराकार	....	....	....

उत्तरः
(i) निर + आ + करण
(ii) प्रति + उप + कार
(iii) सत् + आ + चार
(iv) सु + सम् + गठित
(v) निर + आ + कार

(विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न)

1. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूलशब्द लिखिए –
(i) निराहार
(ii) अत्याचार
(iii) पुनिर्माण

(iv) निर्बल
(v) दुर्बुद्धि
(vi) संवेदना
(vii) विख्यात
(viii) प्रत्येक
(ix) दुर्भाग्य
(x) प्रत्युत्तर
(xi) निर्मल
(xii) निरपराध
(xiii) प्रत्युपकार
(xiv) उपनिवेश
(xv) अपकीर्ति
(xvi) निर्लिप्त
(xvii) पर्यावरण
(xviii) गैरहाज़िर
(xix) अत्यधिक
(xx) दुर्दशा
(xxi) सज्जन
(xxii) अभ्युदय
(xxiii) आकार
(xxiv) परिधान
(xxv) निर्भयता
(xxvi) स्वागत
(xxvii) दुर्वचन
(xxviii) परिपक्व
(xxix) इत्यादि
(xxx) आकर्षण
(xxxi) विकृत
(xxxii) संवेग
(xxxiii) परिहार
(xxxiv) अधिकार
(xxxv) पराधीन

उत्तरः

	उपसर्ग	मूलशब्द
(i)	निर्	आहार
(ii)	अति	आचार
(iii)	पुनर्	निर्माण
(iv)	निर्	बल
(v)	दुर्	बुद्धि
(vi)	सम्	वेदना
(vii)	वि	ख्यात
(viii)	प्रति	एक
(ix)	दुर्	भाग्य
(x)	प्रति	उत्तर
(xi)	निर्	मल
(xii)	निर्	अपराध
(xiii)	प्रति	उपकार
(xiv)	उप	निवेश
(xv)	अप	कीर्ति
(xvi)	निर	लिप्त
(xvii)	परि	आवरण
(xviii)	गैर	हाज़िर
(xix)	अति	अधिक
(xx)	दुर्	दशा
(xxi)	सत्	जन
(xxii)	अभि	उदय
(xxiii)	आ	कार
(xxiv)	परि	धान

(*xxv*)	निर्	भय
(*xxvi*)	सु	आगत
(*xxvii*)	दुर्	वचन
(*xxviii*)	परि	पक्व
(*xxix*)	इति	आदि
(*xxx*)	आ	कर्षण
(*xxxi*)	वि	कृत
(*xxxii*)	सम्	वेग
(*xxxiii*)	परि	हार
(*xxxiv*)	अधि	कार
(*xxxv*)	परा	धीन

2. नीचे कुछ उपसर्ग दिए गए हैं। आप इन उपसर्गों से दो–दो शब्द बनाइए (i) सु

(*i*)	सु	....	....
(*ii*)	अव	....	....
(*iii*)	अनु	....	....
(*iv*)	अ	....	....
(*v*)	निर्	....	....
(*vi*)	दु	....	....
(*vii*)	परा	....	....
(*viii*)	सह	....	....
(*ix*)	दुर्	....	....
(*x*)	उत्	....	....
(*xi*)	स	....	....
(*xii*)	चिर	....	....

(xiii) अधि ....

(xiv) प्र ....

(xv) अप ....

(xvi) अन ....

(xvii) परि ....

(xviii) वि ....

(xix) अभि ....

(xx) सु ....

(xxi) तिरस ....

(xxii) ला ....

(xxiii) नि ....

उत्तर:

(i)	सुदिन	सुलभ
(ii)	अवरोध	अवसर
(iii)	अनुराग	अनुस्वार
(iv)	अधर्म	अज्ञान
(v)	निराकार	निर्धन
(vi)	दुकूल	दुधारी
(vii)	पराजय	पराभव
(viii)	सहभागी	सहयोग
(ix)	दुर्गम	दुर्योग
(x)	उद्धार	उत्साह
(xi)	सजीव	सपरिवार
(xii)	चिरकाल	चिरस्थायी

(*xiii*)	अधिगम	अधिवास
(*xiv*)	प्रकाश	प्रधान
(*xv*)	अपयश	अपसारी
(*xvi*)	अनजान	अनमना
(*xvii*)	परिचारिका	परिचय
(*xviii*)	विजय	विनायक
(*xix*)	अभिजीत	अभियोग
(*xx*)	सुदिन	सुलेख
(*xxi*)	तिरस्कार	तिरस्कृत
(*xxii*)	लावारिस	लाइलाज
(*xxiii*)	निमग्न	नियम

3. नीचे लिखे शब्दों में किन उपसर्गों का प्रयोग हुआ है?
(i) स्वागत
(ii) स्वयंवर
(iii) उनतीस
(iv) निश्छल
(v) प्रमाण
(vi) स्वाधीन
(vii) प्रत्यक्ष
(viii) उच्चारण
(ix) अंतर्राष्ट्रीय
(x) औगुन
(xi) दुर्लभ
(xii) संतोष
(xiii) निर्गुण
(xiv) अत्याचार
(xv) निस्संदेह
(xvi) संचालन
(xvii) दुर्गुण
(xviii) अधिनायक
(xix) प्रत्युपकार
(xx) संयोग
उत्तरः
(i) सु
(ii) स्वयं

(iii) उन्
(iv) निस्
(v) प्र
(vi) स्व
(vii) प्रति
(viii) उत्
(ix) अंतर्
(x) औ
(xi) दुर्
(xii) सम
(xiii) निर्
(xiv) अति
(xv) निस्

उपसर्गों की तरह ही प्रत्ययों का प्रयोग भी नए शब्दों की रचना के लिए किया जाता है। नए शब्दों की रचना करने के क्रम में कुछ शब्दांशों का शब्दों के पीछे या उनके अंत में जोड़ दिया जाता है। इससे मूलशब्द के अर्थ में बदलाव या विशेषता आ जाती है। ये शब्दांश प्रत्यय कहलाते हैं।

परिभाषा :

वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं या पूरी तरह बदलाव ला देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

उदाहरण –

मूल शब्द	नए शब्द	शब्द रचना
पूजा	पुजारी	(पूजा + आरी)
सोना	सुनार	(सोना + आर)
मानव	मानवता	(मानव + ता)
पुष्प	पुष्पित	(पुष्प + इत)
कलम	कलमदान	(कलम + दान)

प्रत्यय के भेद-प्रत्यय के दो भेद होते हैं –
(क) कृत प्रत्यय
(ख) तद्धित प्रत्यय

(क) कृत प्रत्यय–जो प्रत्यय क्रिया के मूल रूप अर्थात् उनकी धातु के अंत में लगकर संज्ञा, सर्वनाम शब्दों की रचना करते हैं, उन्हें कृत प्रत्यय कहते हैं।

कृत प्रत्यय का दूसरा नाम कृदंत प्रत्यय भी है क्योंकि ये क्रिया की धातु के मूल रूप के अंत में जुड़ते हैं।
हिंदी की क्रियाओं के सामान्य रूप के अंत में पाए जाने वाले 'ना' को हटाने पर जो बचता है वही क्रिया का मूल रूप या क्रिया की धातु कहलाता है; जैसे –

क्रिया का सामान्य रूप	**क्रिया का मूलरूप या धातु**
पढ़ना (पढ़ + ना)	पढ़
लिखना (लिख + ना)	लिख
बोलना (बोल + ना)	बोल
चलना (चल + ना)	चल
भागना (भाग + ना)	भाग

कृत प्रत्यय के उदाहरण –

पढ़ (धातु) + आकू (प्रत्यय) = पढ़ाकू
लूट (धातु) + एरा (प्रत्यय) = लुटेरा
रख (धातु) + वाला (प्रत्यय) = रखवाला

कृत प्रत्यय के प्रयोग से बनने वाले शब्द–कृत प्रत्यय से निम्नलिखित पाँच प्रकार के शब्द बनते हैं –

1. कर्तृवाचक
2. कर्मवाचक
3. करणवाचक
4. भाववाचक
5. विशेषणवाचक

1. कर्तृवाचक संज्ञा शब्द बनाने वाले कृदंत प्रत्यय –

प्रत्यय	मूलशब्द (धातु)	कर्तृवाचक संज्ञा शब्द
अक	लिख, नृत, धाव	लेखक, धावक, नर्तक
अक्कड़	पी, भूल, घूम, बूझ	पियक्कड़, भुलक्कड़, घुमक्कड़, बुझक्कड़
आक	तैर	तैराक
ऐया/वैया	पढ़, गा, खे	पढ़ैया, गवैया, खेवैया
एरा	लूट, कमा	लुटेरा, कमेरा
आऊ	कमा, खा, उड़, चल	कमाऊ, खाऊ, उड़ाऊ, चलाऊ
दार	देन, लेन	देनदार, लेनदार
आकू	पढ़, लड़	पढ़ाकू, लड़ाकू
वाला	रख, खा, लिख	रखवाला, खानेवाला, लिखनेवाला

2. कर्मवाचक बनाने वाले कृदंत प्रत्यय –

प्रत्यय	**मूलशब्द (धातु)**	**कर्मवाचक शब्द**
औना	बिछ खेल	बिछौना, खिलौना
नी	ओढ़, कतर चट, बढ़	ओढ़नी, कतरनी, चटनी, बढ़नी

3. करणवाचक बनाने वाले कृदंत प्रत्यय –

अन	ढक, बेल झाड़	ढक्कन, बेलन, झाड़न

4. भाववाचक संज्ञा बनाने वाले कृदंत प्रत्यय –

प्रत्यय	**मूलशब्द धातु**	**भाववाचक संज्ञा शब्द**
अन	चल मिल नम	चलन, मिलन, नमन
आई	पढ़ लिख बो सींच	पढ़ाई, लिखाई, बुवाई, सिंचाई
आस	पी निकल छप	प्यास, निकास, छपास
आन	उठ, कट, उड़, चल	उठान, कटान, उड़ान चलान
आव	कट बह खिंच बच	कटाव, बहाव, खिंचाव, बचाव
आवट	थक, गिर, मिल, सजा	थकावट, गिरावट, मिलावट, सजावट
ई	हँस, बोल, झिड़क	हँसी, बोली, झिड़की
आवा	भूल, पहन, छल, दिख	भुलावा, पहनावा, छलावा, दिखावा

5. विशेषण बनाने वाले कृदंत प्रत्यय प्रत्यय

प्रत्यय	मूलशब्द (धातु)	विशेषण शब्द
आऊ	बिका, टिक, कम, चल	बिकाऊ, टिकाऊ, कमाऊ, चलाऊ
आलु	दया, कृपा, झगड़ा	दयालु, कृपालु, झगड़ालु
इयल	मर, सड़, अड़	मरियल, सड़ियल, अड़ियल
अनीय	निंद, पूज, स्मरण, वंदन	निंदनीय, पूजनीय, स्मरणीय, वंदनीय

(ख) तद्धित प्रत्यय– जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्दों के अंत में जुड़कर नए शब्दों की रचना करते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं,
जैसे –

चाय + वाला = चायवाला
चौकी + दार = चौकीदार
चतुर + आई = चतुराई
सप्ताह + इक = साप्ताहिक
चिकना + आई = चिकनाई

तद्धित प्रत्यय से बनने वाले शब्द –
तद्धित प्रत्यय से निम्नलिखित प्रकार के शब्द बनते हैं –

1. कर्तृवाचक संज्ञा शब्द बनाने वाले तद्धित प्रत्यय –

प्रत्यय	मूलशब्द	संज्ञा शब्द
आर	सोना, लोहा	सुनार, लुहार
आरी	पूजा, भीख, जुआ, शिकार	पुजारी, भिखारी, जुआरी, शिकारी
ई	तेल, माला	तेली, माली
एरा	साँप, लूट	सपेरा, लुटेरा
इया	आढ़त	आढ़तिया
कार	पत्र, चित्र कथा, शिल्प	पत्रकार, चित्रकार, कथाकार, शिल्पकार
गर	जादू, कारी, बाजी	जादूगर, कारीगर, बाजीगर
दार	चौकी, पहरा, कर्ज़	चौकीदार, पहरेदार, कर्ज़दार
ची	गोल, तोप, निशान, खजाना	गोलची, तोपची, निशानची, खजानची
वान	गाड़ी, कोच, दया, पील	गाड़ीवान, कोचवान दयावान पीलवान
हार	लकड़ी, सर्व	लकड़हारा, सर्वहारा
वाला	रद्दी, फल, अखबार	रद्दीवाला, फलवाला, अखबारवाला

2. भाववाचक संज्ञा शब्द बनाने वाले तद्धित प्रत्यय –

आई	चतुर, महँगा, गरम, अच्छा, बुरा	चतुराई, महगाई, गरमाई, अच्छाई, बुराई
आपा	बूढ़ा, पूजा, मोटा	बुढ़ापा, पुजापा, मोटापा
आवा	भूला	भुलावा
इमा	लाल, काला, हरी	लालिमा, कालिमा, हरीतिमा
ई	सरद, गरम, नरम	सरदी, गरमी, नरमी
आहट	गरम, चिकना, कड़वा	गरमाहट, चिकनाहट, कड़वाहट
आस	खट्टा, मीठा	खटास, मिठास
ता	मित्र, मानव, पशु, प्रभु	मित्रता, मानवता, पशुता, प्रभुता
त्व	अपना, देव, महा, कवि	अपनत्व, देवत्व, महत्त्व, कवित्व
पन	पराया, अपना, बच्चा, लड़का	परायापन, अपनापन, बचपन, लड़कपन

3. विशेषण बनाने वाले तद्धित प्रत्यय –

प्रत्यय	मूलशब्द	विशेषण शब्द
आ	प्यास, भूखा, उभार	प्यासा, भूखा, उभरा
ई	धन, भार, शहर, जंगल	धनी, भारी, शहरी, जंगली
ईला	रंग, शरम, चमक, बरफ़	रंगीला, शरमीला, चमकीला, बरफ़ीला
ईन	ग्राम रंग, नमक	ग्रामीण, रंगीन, नमकीन
ईय	अनुकरण, चिंतन, राष्ट्र, पर्वत, प्रांत	अनुकरणीय, चिंतनीय, राष्ट्रीय, पर्वतीय, प्रांतीय,
ऊ	बाज़ार, पेट, ऊब, डूब	बाज़ारु, पेटू, उबाऊ, डुबाऊ
इत	पुष्पित, पल्लव, द्रव, रंज	पुष्पित, पल्लवित, द्रवित, रंजित
इक	दिन, परिवार, सप्ताह, धर्म	दैनिक, पारिवारिक, साप्ताहिक, धार्मिक
ला	नौ, दस, पीछे, धुँध	नहला, दहला, पिछला, धुँधला

4. लघुता सूचक शब्द बनाने वाले तद्धित प्रत्यय –

प्रत्यय	मूलशब्द	लघुतावाचक शब्द
ई	मटका, पहाड़, घंटा	मटकी, पहाड़ी, घंटी
इया	बेटा, खाट, लोटा, चूहा	बिटिया, खटिया, लुटिया, चुहिया
री	कोठा, छाता	कोठरी, छतरी

5. क्रमसूचक शब्द बनाने वाले तद्धित प्रत्यय –

प्रत्यय	मूलशब्द	क्रमसूचक शब्द
वाँ	पाँच, सात, आठ, नौ, दस	पाँचवाँ, सातवाँ, आठवाँ, नौवाँ, दसवाँ
सरा	दो, तीन	दूसरा, तीसरा

6. स्त्रीलिंग बनाने वाले तद्धित प्रत्यय –

प्रत्यय	मूलशब्द	स्त्रीलिंग सूचक शब्द
आ	सुत, शिष्य, आचार्य,	सुता, शिष्या, छात्रा, आचार्य
आनी	सेठ, जेठ, मेहतर, देवर	सेठानी, जेठानी, मेहतरानी, देवरानी
इन	ठाकुर, बाघ, सुनार, लुहार	ठकुराइन, बाघिन, सुनारिन, लुहारिन
ई	मामा, चाचा, दादा, लड़का	मामी, चाची, दादी, लड़की
नी	ऊँट, मोर, चोर, मास्टर	ऊँट, मोरनी, चोरनी, मास्टरनी

7. बहुवचन बनाने वाले तद्धित प्रत्यय –

प्रत्यय	मूलशब्द	बहुवचन शब्द
एँ	पुस्तक, जड़, सड़क, गाय	पुस्तकें, जड़ें, सड़कें, गाएँ
इयाँ	कोठरी, नारी, स्त्री, नदी, घड़ी	कोठरियाँ, नारियाँ, स्त्रियाँ, नदियाँ, घड़ियाँ

उर्दू के कुछ प्रत्यय

प्रत्यय	मूलशब्द	प्रत्यय से बने शब्द
अंदाज	गोल, तीर	गोलेदाज, तीरंदाज
आना	मेहनत, शुकर, नज़र	मेहनताना, शुकराना, नज़राना
इंदा	जी, आ	जिंदा, आइंदा
इश	आजमाना, फरमाना	आजमाइश, फरमाइश
खाना	डाक, मुसाफिर, यतीम, दवा	डाकखाना, मुसफिरखाना, यतीमखाना, दवाखाना
दान	इत्र, कलम, पीक	इत्रदान, कलमदान, पीकदान
मंद	ज़रूरत, दौलत, अक्ल	ज़रूरतमंद, दौलतमंद, अक्लमंद
बाज	धोखा, पतंग, चाल	धोखेबाज, पतंगबाज, चालबाज
दार	हवा, माल, पहरा, दुकान	हवादार, मालदार, पहरेदार, दुकानदार
साज	घड़ी	घड़ीसाज

दो–दो प्रत्ययों से बने कुछ शब्द –

शब्द	मूलशब्द	प्रत्यय +	प्रत्यय
मानवीयता	मानव	ईय	ता
सामाजिकता	समाज	इक	ता
ऐतिहासिकता	इतिहास	इक	ता
कलाकारी	कला	कार	ई
सहनशीलता	सहन	शील	ता
बुद्धिमानी	बुद्धि	मान	ई
निशानेबाजी	निशाना	बाज	ई
भुलक्कड़पन	भूल	अक्कड़	पन
नागरिकता	नगर	इक	ता

उपसर्ग–प्रत्यय दोनों के मेल से बने शब्द –

शब्द	उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय
अनुरागी	अनु	राग	ई
प्रधानता	प्र	धान	ता
परिश्रमी	परि	श्रम	ई
पराक्रमी	परा	क्रम	ई
प्रतिद्वंद्वी	प्रति	द्वंद्व	ई
परिपूर्णता	परि	पूर्ण	ता
सम्मानित	सम्	मान	इत
अनुकरणीय	अनु	करण	ईय
असुरक्षित	अ, सु	रक्षा	इति

अभ्यास–प्रश्न

1. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इनमें प्रयुक्त प्रत्यय और मूलशब्द पृथक करके लिखिए –

(i) त्यागी ....

(ii) मथनी ....

(iii) लगवाई ....

(iv) लकड़हारा ....

(v) भुलावा ....

(vi) बुढ़ापा ....

(vii) दुखड़ा ....

(viii) बचपन ....

(ix) लालिमा ....

(x) गुरुत्व ....

(*xi*)	साप्ताहिक	....	....
(*xii*)	दवाखाना	....	....
(*xiii*)	दयावान	....	....
(*xiv*)	पुष्पित	....	....
(*xv*)	श्रेष्ठता	....	....
(*xvi*)	सुनार	....	....
(*xvii*)	बाजीगर	....	....
(*xviii*)	अच्छाई	....	....
(*xix*)	मिठास	....	....
(*xx*)	गरमी	....	....

उत्तरः

	मूलशब्द	प्रत्यय
(*i*)	त्याग	ई
(*ii*)	मथ	नी
(*iii*)	लग	वाई
(*iv*)	लकड़ी	हारा
(*v*)	भूल	आवा
(*vi*)	बूढ़ा	आपा
(*vii*)	दुख	ड़ा
(*viii*)	बच्चा	पन
(*ix*)	लाल	इमा
(*x*)	गुरु	त्व

	मूलशब्द	प्रत्यय
(*xi*)	सप्ताह	इक
(*xii*)	दवा	खाना
(*xiii*)	दया	वान
(*xiv*)	पुष्प	इत
(*xv*)	श्रेष्ठ	ता
(*xvi*)	सोना	आर
(*xvii*)	बाजी	गर
(*xviii*)	अच्छा	आई
(*xix*)	मीठा	आस
(*xx*)	गरम	ई

2. नीचे दिए गए शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय उनके सामने लिखिए –
(i) भूखा ....
(ii) अनुकरणीय ....
(iii) आनंदित ....
(iv) रुपहला ....
(v) लठिया ....
(vi) चचेरा ....
(vii) ससुराल ....
(viii) गुरुता ....
(ix) चिकनाहट ....
(x) चौकीदार ....
(xi) कृपालु ....
(xii) तरंगित ....
(xiii) जटिल ....
(xiv) भारतीय ....
(xv) लघुत्व ....
(xvi) रूपवती ....
(xvii) गोलंदाज ....
(xviii) सालाना ....
(xix) इत्रदान ....
(xx) चित्रकार ....
उत्तरः

(i) आ
(ii) ईय
(iii) इत
(iv) हला
(v) इया
(vi) एरा
(vii) आल
(viii) ता
(ix) आहट
(x) हार
(xi) आलु
(xii) इत
(xiii) इल
(xiv) ईय
(xv) त्व
(xvi) वती
(xvii)अंदाज
(xviii) आना
(xix) दान
(xx) कार

3. नीचे कुछ प्रत्यय दिए गए हैं। आप उनका प्रयोग करते हुए दो-दो नए शब्द बनाइए -

(i) अक्कड़ ....
(ii) औना ....
(iii) औती ....
(iv) ऐया ....
(v) एरा ....
(vi) आवा ....
(vii) इयल ....
(viii) आहट ....
(ix) आलु ....
(x) आवट ....

(xi) आन ....

(xii) ई ....

(xiii) उक ....

(xiv) आर ....

(xv) आस ....

(xvi) त्व ....

(xvii) इक ....

(xviii) ईन ....

(xix) दान ....

(xx) वान ....

उत्तरः

(i)	बुझक्कड़	भुलक्कड़
(ii)	खिलौना	बिछौना
(iii)	फिरौती	बपौती
(iv)	गवैया	खेवैया
(v)	लुटेरा	ममेरा
(vi)	बुलावा	चढ़ावा
(vii)	सड़ियल	मरियल
(viii)	घबराहट	मुसकराहट
(ix)	कृपालु	दयालु
(x)	मिलावट	गिरावट

(*xi*)	उठान	चालान
(*xii*)	गरीबी	धनी
(*xiii*)	भावुक	भिक्षुक
(*xiv*)	सुनार	लुहार
(*xv*)	मिठास	खटास
(*xvi*)	गुरुत्व	महत्त्व
(*xvii*)	धार्मिक	पारिवारिक
(*xviii*)	रंगीन	नमकीन
(*xix*)	कलदान	इत्रदान
(*xx*)	दयावान	बलवान

4. नीचे कुछ शब्द दिए जा रहे हैं। आप इनमें प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए –

(i) चाल + ... = ...
(ii) लूट + ... = ...
(iii) देन + ... = ...
(iv) पढ़ + ... = ...
(v) खेल + ... = ...
(vi) कमा + ... = ...
(vii) पहन + ... = ...
(viii) सज + ... = ...
(ix) कृपा + ... = ...
(x) मर + ... = ...
(xi) पूजा + ... = ...
(xii) पत्र + ... = ...
(xiii) चाय + ... = ...
(xiv) सौदा + ... = ...
(xv) सोना + ... = ...
(xvi) लूट + ... = ...
(xvii) महँगा + ... = ...
(xviii) बच्चा + ... = ...
(xix) देव + ... = ...
(xx) बंगाल + ... = ...

उत्तरः

(i) चाल + बाज = चालबाज
(ii) लूट + ऐरा = लुटेरा
(iii) देन + दार = देनदार
(iv) पढ़ + आकू = पढ़ाकू
(v) खेल + औना = खिलौना
(vi) कमा + आई = कमाई
(vii) पहन + आवा = पहनावा
(viii) सज + आवट = सजावट
(ix) कृपा + आलु = कृपालु
(x) मर + इयल = मरियल
(xi) पूजा + आपा = पुजापा
(xii) पत्र + कार = पत्रकार
(xiii) चाय + वाला – चायवाला
(xiv) सौदा + गर = सौदागर
(xv) सोना + आर = sunaar
(xvi) लूट + लुटेरा = luteraa
(xvii) महँगा + आई = महँगाई
(xviii) बच्चा + पन = बचपन
(xix) देव + त्व = देवत्व
(xx) बंगाल + ई = बंगाली

5. निम्नलिखित शब्दों में एक से अधिक प्रत्यय प्रयुक्त हैं। इन्हें अलग करते हुए मूलशब्द भी लिखिए –

(i) बचपना .... + ... + ...
(ii) दिखावटी .... + ... + ...
(iii) भारतीयता .... + ... + ...
(iv) ईमानदारी .... + ... + ...
(v) भुलक्कड़पन .... + ... + ...
(vi) चालाकी .... + ... + ...
(vii) निशानेबाजी .... + ... + ...

उत्तरः
(i) बच्चा + पन + आ
(ii) दिखा + आवट + ई
(iii) भारत + ईय + ता
(iv) ईमान + दार + ई
(v) भूल + अक्कड़ + पन
(vi) चाल + आक + ई
(vii) निशाना + बाज + ई

6. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों प्रयुक्त हैं। उनको अलग करके मूलशब्द लिखिए –
(i) पराश्रयी .... + ... + ...
(ii) अशिक्षित .... + ... + ...
(iii) बदनीयती .... + ... + ...
(iv) अविस्मरणीय .... + ... + ...
(v) सुरक्षित .... + ... + ...
उत्तर:
(i) पर + आश्रय + ई
(ii) अ + शिक्षा + इत
(iii) बद + नीयत + ई
(iv) अ + विस्मरण + ईय
(v) सु + रक्षा + इत

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न

1. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय एवं मूल शब्द ज्ञात कीजिए –
(i) भूखा
(ii) रसोइया
(iii) आयोजित
(iv) स्वाधीनता
(v) मरियल
(vi) रंगीला
(vii) आवश्यकता
(viii) पूजनीय
(ix) गवैया
(x) पुस्तकीय
(xi) भुलक्कड़
(xii) चमकीला
(xiii) अपनापन
(xiv) शिक्षित
(xv) ईमानदार
(xvi) बिकाऊ
(xvii) गीला
(xviii) पराक्रमी
(xix) नौकरानी
(xx) दैनिक
(xxi) दार्शनिक
(xxii) खिलाड़ी
(xxiii) झगड़ालू

(xxiv) पैतृक
(xxv) जैविक
(xxvi) बिछौना
(xxvii) प्रभुत्व
(xxviii) गरीबी
(xxix) पालनहार
(xxx) आयातित
(xxxi) कुलीन
(xxxii) बुढ़ापा
(xxxiii) ऐतिहासिक
(xxxiv) मलिन
(xxxv) क्रोधित
(xxxvi) भूखा
(xxxvii) पीकदान

उत्तरः

	मूलशब्द	प्रत्यय
(i)	भूख	आ
(ii)	रसोई	इया
(iii)	आयोजन	इत
(iv)	स्वाधीन	ता
(v)	मर	इयल
(vi)	रंग	ईला
(vii)	आवश्यक	ता
(viii)	पूजन	ईय
(ix)	गा	ऐया
(x)	पुस्तक	ईय
(xi)	भूल	अक्कड़
(xii)	चमक	ईला
(xiii)	अपना	पन

(*xiv*)	शिक्षा	इत
(*xv*)	ईमान	दार
(*xvi*)	बिक	आऊ
(*xvii*)	गर्व	ईला
(*xviii*)	पराक्रम	ई
(*xix*)	नौकर	आनी
(*xx*)	दिन	इक
(*xxi*)	दर्शन	इक
(*xxii*)	खेल	आड़ी
(*xxiii*)	झगड़ा	आलू
(*xxiv*)	पिता	इक
(*xxv*)	जीव	इक
(*xxvi*)	बिछ	औना

(*xxvii*)	प्रभु	त्व
(*xxviii*)	गरीब	ई
(*xix*)	पालन	हार
(*xxx*)	आयात	इत
(*xxxi*)	कुल	ई
(*xxxii*)	बूढ़ा	आपा
(*xxxiii*)	इतिहास	इक
(*xxxiv*)	मल	इन
(*xxxv*)	क्रोध	इत
(*xxxvi*)	भूख	आ
(*xxxvii*)	पीक	दान

2. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए –

(i) नागरिक

(ii) सेवकाई

(iii) दार्शनिक
(iv) पैतृक
(v) पियक्कड़
(vi) दर्शनीय
(vii) गहराई
(viii) पारलौकिक
उत्तरः
(i) इक
(ii) आई
(iii) इक
(iv) इक
(v) अक्कड़
(vi) ईय
(vii) आई
(viii) इक

3. नीचे दिए गए प्रत्ययों से दो–दो शब्द बनाइए –
(i) इत
(ii) वाला
(iii) आना
(iv) मान
(v) ईय
(vi) आवट
(vii) हारा
(viii) आऊ
(ix) औना
(x) शील
(xi) आरी
(xii) त्व
(xiii) आस
(xiv) कार
(xv) पन
(xvi) ईला
(xvii) आलु
(xviii) एरा
(xix) इत
(xx) आई
(xxi) आकू
(xxii) दार
(xxiii) तम

(xxiv) हार
उत्तरः

(i)	पुष्पित	हर्षित
(ii)	रद्दीवाला	फलवाला
(iii)	जुर्माना	शरमाना
(iv)	शक्तिमान	श्रीमान
(v)	दर्शनीय	पठनीय
(vi)	मिलावट	सजावट
(vii)	सर्वहारा	लकड़हारा
(viii)	उपजाऊ	बिकाऊ
(ix)	खिलौना	बिछौना
(x)	विनयशील	विवेकशील
(xi)	पुजारी	जुआरी
(xii)	पुरुषत्व	महत्त्व
(xiii)	प्यास	मिठास
(xiv)	पत्रकार	कलाकार
(xv)	अपनापन	लड़कपन
(xvi)	रंगीला	ज़हरीला

(xvii)	दयालु	कृपालु
(xviii)	सपेरा	लुटेरा
(xix)	पठित	लिखित
(xx)	बुवाई	सिलाई
(xxi)	उड़ाकू	पढ़ाकू
(xxii)	तीमारदार	पहरेदार
(xxiii)	श्रेष्ठतम	न्यूनतम
(xxiv)	सिरजनहार	खेवनहार

4. निम्नलिखित शब्दों के मूलशब्द बताइए –
(i) परिचारिका
(ii) चिल्लाहट
(iii) भौतिकता
(iv) भुलक्कड़
(v) स्वतंत्रता
(vi) अपमानित
(vii) सुनार
(viii) लालिमा
(ix) पौती
(x) आनंदित
(xi) झगड़ालू
(xii) बिछौना
(xiii) खिलौना
(xiv) अनुकरणीय
उत्तर:
(i) परिचार
(ii) चिल्लाना
(iii) भूत
(iv) भूल
(v) स्वतंत्र
(vi) अपमान
(vii) सोना
(viii) लाल
(ix) बाप
(x) आनंद
(xi) झगड़ा

(xii) बिछा
(xiii) खेल
(xiv) अनुकरण
(xv) भारत
(xvi) गर्व
(xvii) खेल
(xviii) लोहा
(xix) पूजा
(xx) विवेक

वाच्य

क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वाच्य में क्रिया द्वारा किए गए व्यापार का विषय कर्ता, कर्म अथवा भाव में से कौन है, उसे वाच्य कहते हैं। वाच्य के तीन भेद होते हैं

1. कर्तृवाच्य
2. कर्मवाच्य
3. भाववाच्य

1. कर्तृवाच्य – जिस वाक्य में कर्ता की प्रधानता हो तथा क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता के अनुसार हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं; जैसे– नेहा दौड़ रही है। मैं व्यापार करता हूँ।
2. कर्मवाच्य – क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया का प्रयोग कर्म के अनुसार हुआ है यानी इसके लिए लिंग, वचन और पुरुष कर्म के अनुसार हैं, उसे कर्मवाच्य कहते हैं; जैसे– अध्यापक द्वारा पढ़ाया जाता है।

3. भाववाच्य – जहाँ वाक्य में भाव की प्रधानता होती है और क्रिया के लिंग, वचन भाव के अनुसार होते हैं, वे क्रियाएँ भाववाच्य कहलाती हैं; जैसे

- मोहन से चला नहीं जाता।
- मुझसे पत्र लिखा नहीं जाता है।

वाच्य परिवर्तन

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाना –
कर्तृवाच्य :
मैं खाना खाऊँगा।।
ओजस्व गीत सुन रहा है।
मैं पत्र लिखती हूँ।

कर्मवाच्य :
मुझसे खाना खाया जाएगा।
ओजस्व से गीत सुने जा रहे हैं।
मेरे द्वारा पत्र लिखा जाता है।
कर्तृवाच्य :
वह चल नहीं सकता।
बच्चे चुप नहीं बैठते।
कोमल रो रही है।
भाववाच्य :
उससे चला नहीं जा सकता।
बच्चों से चुप नहीं बैठा जाता।
कोमल से रोया जा रहा है।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. जिस वाक्य में भाव प्रधान हो, क्रिया एकवचन पुल्लिंग हो वह कहलाता है
(i) भावानुसार वाच्य
(ii) भाववाच्य
(iii) कर्मवाच्य
(iv) कर्तृवाच्य

2. जिस वाक्य में कर्म प्रधान हो, क्रिया कर्म के अनुसार आए वह होता है
(i) कर्मवाच्य
(ii) कर्तृवाच्य
(iii) भाववाच्य
(iv) कोई अन्य

3. जिस वाक्य में कर्ता प्रधान हो, क्रिया कर्ता के अनुसार आए तो वह होता है
(i) कर्तावाच्य
(ii) कर्तृवाच्य
(iii) कर्मवाच्य
(iv) भाववाच्य

4. वाच्य के कितने भेद होते हैं
(i) तीन
(ii) दो
(iii) चार
(iv) पाँच

5. जब क्रिया का प्रधान विषय कर्ता हो तो होता है
(i) कर्मवाच्य
(ii) भाववाच्य
(iii) कर्तृवाच्य
(iv) इनमें से कोई नहीं

6. जिस क्रिया में भाव की प्रधानता होती है, तब होता है-
(i) भाववाच्य
(ii) कर्मवाच्य
(iii) कर्तृवाच्य

उत्तर-
1. (ii)
2. (i)
3. (ii)
4. (i)
5. (iii)
6. (i)